Seat No. : _____

KK-115-H

March-2014

T.Y.B.Com. (Annual Pattern)
Adv. A/c & Auditing : Paper – V

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

सूचना : (1) दाहिनी ओर के अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।
(2) आवश्यक गणनाएँ उत्तर के भागरूप दर्शाइये ।

विभाग – I

1. अल्केश लि. और आशिष लि. का ता. 31-3-2013 के रोज संयोजन किया जाता है । इसके लिए अल्केश लि., आशिष लि. का धंधा ले लेता है । इस तारीख को दोनों कम्पनियों का आर्थिक चिट्ठा निम्नानुसार है : **12**

दायित्व	अल्केश लि. ₹	आशिष लि. ₹	सम्पत्तियाँ	अल्केश लि. ₹	आशिष लि. ₹
इक्विटी अंश पूँजी (प्रत्येक ₹ 10 का)	5,20,000	3,00,000	जमीन-मकान	4,00,000	2,00,000
12% अधिमान अंश पूँजी (प्रत्येक ₹ 100 का)	2,20,000	1,70,000	प्लान्ट-यंत्र	2,50,000	1,64,000
सामान्य अनामत	48,000	37,000	विनियोग	1,00,000	75,000
निर्यात लाभ अनामत	30,000	20,000	देनदार	1,20,000	1,20,000
विनियोग रिबेट अनामत	1,00,000	13,000	स्टोक	1,80,000	60,000
लाभ-हानि खाता	80,000	39,000	रोकड़/बैंक शेष	65,000	51,000
14% ऋणपत्र (₹ 100 वाले)	50,000	35,000			
लेनदार	45,000	40,000			
देय विपत्र	22,000	16,000			
	11,15,000	**6,70,000**		**11,15,000**	**6,70,000**

अल्केश लि. ने आशिष लि. का धंधा ता. 1-4-2013 के रोज ले लिया । अल्केश लि. ने खरीद कीमत निम्नानुसार गिनी :

(1) ₹ 10 वाले 30,000 इक्विटी अंश आशिष लि. के अंशधारियों को सम मूल्य पर देना ।
(2) आशिष लि. के अधिमान अंशधारियों को 20% प्रीमियम से रकम भुगतान के लिए ₹ 100 वाले 14% अधिमान अंश देना ।
(3) आशिष लि. के ऋणपत्रों के बदले में अल्केश लि. के उतनी ही संख्या में ऋणपत्र देना ।
(4) आशिष लि. की वैधानिक अनामतों को अभी दो वर्ष तक रखना जरूरी है ।

निम्नलिखित दो पद्धतियों के अनुसार संयोजन हुआ है, ऐसा मानकर अल्केश लि. का ता. 1-4-2013 के रोज का आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिये :

(a) संयोजन खरीद स्वरूप का हो,
(b) संयोजन संविलयन (Merger) स्वरूप का हो ।

अथवा

1. ता. 31-3-2013 के रोज का आर्थिक चिट्ठा **12**

दायित्व	**सागर लि.**	**सरिता लि.**	**सम्पत्तियाँ**	**सागर लि.**	**सरिता लि.**
इक्विटी अंश पूँजी	12,00,000	8,00,000	जमीन-मकान	7,00,000	5,00,000
कारीगर अकस्मात मुआवजा फंड	10,000	–	प्लान्ट-यंत्र	4,00,000	1,50,000
			देनदार	1,50,000	2,00,000
लाभ-हानि खाता	20,000	30,000	स्टोक	50,000	1,70,000
10% ऋणपत्र	–	1,20,000	रोकड़/बैंक	30,000	84,000
लेनदार	1,00,000	1,54,000			
	13,30,000	**11,04,000**		**13,30,000**	**11,04,000**

ता. 1-4-2013 के रोज दोनों कम्पनियों का संयोजन निम्नशर्तों पर करके अमर कम्पनी लि. की स्थापना की, जिसकी अधिकृत पूँजी ₹ 20,00,000 जो ₹ 100 वाले 20,000 इक्विटी अंशों में विभाजित है :

(1) पुरानी दोनों कम्पनियों की जमीन-मकान की बही कीमत बाजार कीमत से 20% कम है । जमीन-मकान बाजार कीमत से लेना है ।

(2) कारीगर अकस्मात मुआवजा फंड के सामने ₹ 3,000 का दावा सागर लि. ने स्वीकार किया जो अब अमर कम्पनी लि. चुकायेगा ।

(3) खरीद कीमत इतनी निश्चित हुई की सागर लि. का धंधा खरीदने पर ₹ 2,02,000 की पूँजी अनामत उद्‌भव हुई और सरिता लि. का धंधा खरीदने पर ₹ 69,000 की ख्याति उद्‌भव हुई ।

(4) सरिता लि. के 10% ऋणपत्र धारकों को 20% प्रीमियम प्राप्त हो इस प्रकार से अमर कम्पनी लि. के 12% ऋणपत्र 10% बट्टा से देना ।

(5) खरीद कीमत के बदले में सागर लि. के चार इक्विटी अंश के बदले में नयी कम्पनी के तीन इक्विटी अंश 10% प्रीमियम से देना । उसी प्रकार से सरिता लि. के चार इक्विटी अंश के बदले में नयी कम्पनी के तीन इक्विटी अंश 10% प्रीमियम से देना ।

(6) बाकी की खरीद कीमत के रूप में दोनों कम्पनियों को रोकड़ देना ।

नयी कम्पनी ने बाकी के इक्विटी अंश आम जनता में प्रकाशित किये जो सम्पूर्ण भरपायी हुए । आवश्यक गणना दर्शाइये ।

उपरोक्त जानकारी पर से पूँजी अनामत के सामने ख्याति अपलिखित करने के बाद नयी कम्पनी की बही में प्रारंभिक रोजनामचा लिखकर आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिये ।

2. अनीसा कम्पनी लि. के ता. 31-3-12 और ता. 31-3-13 के रोज का आर्थिक चिट्ठा निम्नानुसार है : **12**

पूँजी-दायित्व	**31-3-12**	**31-3-13**	**सम्पत्तियाँ-लेना**	**31-3-12**	**31-3-13**
इक्विटी अंश पूँजी	3,00,000	5,00,000	जमीन-मकान	2,68,000	4,00,000
सामान्य अनामत	20,000	40,000	यंत्र	1,20,000	2,56,000
लाभ-हानि खाता	15,000	40,000	स्टोक	1,30,000	1,62,000
ऋणपत्र	1,20,000	80,000	देनदार	40,000	80,000
बैंक लोन	30,000	40,000	लेय विपत्र	8,000	10,000
लेनदार	1,50,000	1,90,000	बैंक शेष	64,000	22,000
सूचित डिविडन्ड	30,000	60,000	पूर्वदत्त खर्च	40,000	20,000
कर के लिए प्रावधान	10,000	10,000	अभिगोपन कमीशन	5,000	10,000
	6,75,000	**9,60,000**		**6,75,000**	**9,60,000**

अतिरिक्त जानकारी :

विवरण	**31-3-12**	**31-3-13**
	₹	₹
बिक्री (जिसमें उधार बिक्री, रोकड़ बिक्री से चार गुनी है)	3,00,000	4,60,000
खरीद	2,30,000	3,20,000
खरीद के खर्च	30,000	32,000
ऑफिस खर्च	40,000	45,000
बिक्री-वितरण खर्च	20,000	26,000

ता. 31-3-11 के रोज स्टोक की कीमत ₹ 80,000 थी जिसकी बाजार कीमत ₹ 50,000 थी ।

उपरोक्त जानकारी पर से निम्नलिखित गुणोत्तरों की गणना कीजिये :

(1) सकल लाभ गुणोत्तर

(2) शुद्ध लाभ गुणोत्तर

(3) प्रवाही गुणोत्तर

(4) विनियोजित पूँजी पर मुआवजा का दर

(5) स्टोक गुणोत्तर

(6) देनदारों का गुणोत्तर (360 दिवस)

अथवा

2. टिप्पणियाँ लिखिये : (कोई **दो**) **12**

(1) हिसाबी गुणोत्तरों का वर्गीकरण

(2) हिसाबी गुणोत्तरों की मर्यादाएँ

(3) दीर्घकालीन ऋण शोधन क्षमता मापन के हिसाबी गुणोत्तर

3. अंजना लि. के ता. 31-3-2012 और ता. 31-3-2013 के रोज का आर्थिक चिट्ठा निम्नानुसार है : **11**

दायित्व	**31-3-12** ₹	**31-3-13** ₹	**सम्पत्तियाँ**	**31-3-12** ₹	**31-3-13** ₹
इक्विटी अंश ₹ 10 वाले सम्पूर्ण भरपाई	3,00,000	4,00,000	ख्याति	60,000	40,000
10% शोधनीय अधिमान अंश ₹ 10 वाले ₹ 7 भरपाई	70,000	–	जमीन-मकान	2,60,000	3,00,000
सामान्य अनामत	80,000	60,000	प्लान्ट-यंत्र	2,00,000	2,80,000
लाभ-हानि खाता	70,000	80,000	विनियोग	80,000	–
प्रतिभूति प्रीमियम	25,000	20,000	स्टोक	30,000	40,000
12% ऋणपत्र (₹ 100 वाले)	1,00,000	–	देनदार	45,000	38,000
लेनदार	60,000	80,000	लेय विपत्र	25,000	12,000
देय विपत्र	35,000	25,000	बैंक शेष	1,00,000	50,000
कर का प्रावधान	50,000	65,000	प्राथमिक खर्च	20,000	10,000
सूचित डिविडन्ड	30,000	40,000			
	8,20,000	**7,70,000**		**8,20,000**	**7,70,000**

अतिरिक्त जानकारी :

ता. 31 मार्च, 2013 के रोज पूरे होते वर्ष दौरान :

(1) विनियोग बिक्री कीमत पर 20% लाभ लेकर बेचे गये हैं ।

(2) कम्पनी ने जरूरी कानूनी प्रावधानों का पालन करते हुए शोधनीय अधिमान अंशों को 5% प्रीमियम से शोधन किये हैं । अधिमान अंशों के शोधन के लिए सामान्य अनामत में से ₹ 1,00,000 पूंजी शोधन अनामत खाते ले जाया गया है ।

(3) अपलिखित की गयी घिसाई : जमीन-मकान ₹ 40,000, प्लान्ट-यंत्र ₹ 30,000 ।

(4) वर्ष दौरान ₹ 80,000 की लागत कीमत का यंत्र जिस पर एकत्रित कुल घिसाई ₹ 30,000 थी, वह यंत्र ₹ 60,000 में बेचा गया ।

(5) कम्पनी पूँजी शोधन अनामत में से वर्तमान अंशधारकों को 3 : 1 के प्रमाण में बोनस अंश दिये हैं ।

(6) ऋणपत्र ₹ 105 की दर से शोधन किये हैं ।

(7) गत वर्ष के कर की रकम ₹ 40,000 चुकायी है और गत वर्ष का सूचित डिविडन्ड भी चुकाया है ।

उपरोक्त जानकारी पर से हिसाबी मानक-3 अनुसार रोकड़ प्रवाह पत्रक तैयार कीजिये ।

अथवा

3. (a) वित्तीय पत्रक किसे कहते हैं ? वित्तीय पत्रकों के लक्षणों को समझाइये । **11**

(b) प्रबंधकीय हिसाबी पद्धति (Management Accountancy) किसे कहते हैं ? इसके कार्यक्षेत्र की चर्चा कीजिये ।

विभाग – II

4. निम्नलिखित में से कोई **दो** के उत्तर लिखिये : **12**

(A) अंतर लिखिये । (कोई **एक**)

(1) अन्तरिम डिविडन्ड और अंतिम डिविडन्ड

(2) स्वच्छ रिपोर्ट और दोषवाली रिपोर्ट

(B) निम्नलिखित के संबंध में अंकेक्षक के कर्त्तव्य बताइये : (कोई **एक**)

(1) अंश प्रीमियम पर प्रकाशित

(2) अंश जप्ती का अंकेक्षण

(3) बोनस अंश

(C) निम्नलिखित का अन्वेषण किस प्रकार करेंगे ? (कोई **एक**)

(1) धंधा को लोन प्रदान करने वाले लेनदार की ओर से अन्वेषण ।

(2) जब धंधा में कपट की शंका हो तब ।

5. निम्नलिखित में से कोई **दो** के उत्तर दीजिये : **13**

(A) अंश धारकों के लिए अंकेक्षण रिपोर्ट का महत्त्व बताइये । अंकेक्षक की रिपोर्ट में प्रयुक्त "सही और योग्य" शब्दों को समझाइये ।

(B) "कोई भी संजोगों में पूँजी लाभ से डिविडन्ड घोषित नहीं किया जा सकता ।" टीकात्मक चर्चा कीजिये ।

(C) चेरीटेबल अस्पताल के लिए अंकेक्षण प्रोग्राम तैयार कीजिये ।

6. निम्नलिखित उप-प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर दिये गये हैं । आप सही उत्तर पसंद कर उसके समर्थन में आवश्यक स्पष्टीकरण अथवा गणना लिखिये । **10**

(1) कम्पनी कानून की कलम 208 के अनुसार पूँजी पर ब्याज अधिक से अधिक दिया जा सकता है :

(a) 12% (b) 4%

(c) 10% (d) 5%

(2) "शंकास्पद कपट के संबंध में अन्वेषण" में निम्नलिखित में से कौन सी बाबत ध्यान में नहीं ली जाती :

(a) रोकड़ गबन की जाँच करना

(b) शंकास्पद कपट का स्वरूप

(c) कम्पनी के संचालकों की अयोग्यताएँ

(d) अन्वेषण अवधि निश्चित करना

(3) अंकेक्षण कार्यक्रम तैयार करने से पहले निम्नलिखित में से कौन सी बाबत जरूरी नहीं है ?

(a) आन्तरिक जाँच पद्धति (b) प्रतिस्पर्धकों द्वारा अपनायी गयी हिसाबी पद्धति

(c) भूतपूर्व अंकेक्षक की रिपोर्ट (d) धंधा या संस्था की तकनीक बाबतें

(4) अंकेक्षण रिपोर्ट और अंकेक्षण प्रमाणपत्र के बीच कौनसा अंतर सही है ?

(a) दोनों प्रति वर्ष प्रस्तुत करने पड़ते हैं ।

(b) कम्पनी कानून में दोनों के लिए प्रावधान हैं ।

(c) अंकेक्षण प्रमाणपत्र किसी को संबोधन नहीं करता, जबकि अंकेक्षण रिपोर्ट अंशधारियों को संबोधित करके लिखी जाती है ।

(d) अंकेक्षण रिपोर्ट मध्यस्थ सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जाती है, जबकि अंकेक्षण प्रमाणपत्र अंशधारकों के समक्ष प्रस्तुत की जाती है ।

(5) नोबल कम्पनी लि. की लाभ-हानि संबंधी जानकारी निम्नानुसार है :

वर्ष	**घिसाई पहले का लाभ या नुकसान ₹**	**कानूनानुसार घिसाई ₹**	**असमाविष्ट घिसाई ₹**
2010-11	– 1,50,000	50,000	30,000
2011-12	– 1,10,000	40,000	25,000
2012-13	+ 5,00,000	1,00,000	–

वर्ष 2012-13 के लिए वितरणपात्र लाभ बताइये :

(a) ₹ 3,45,000

(b) ₹ 4,00,000

(c) ₹ 3,10,000

(d) ₹ 45,000

———————